

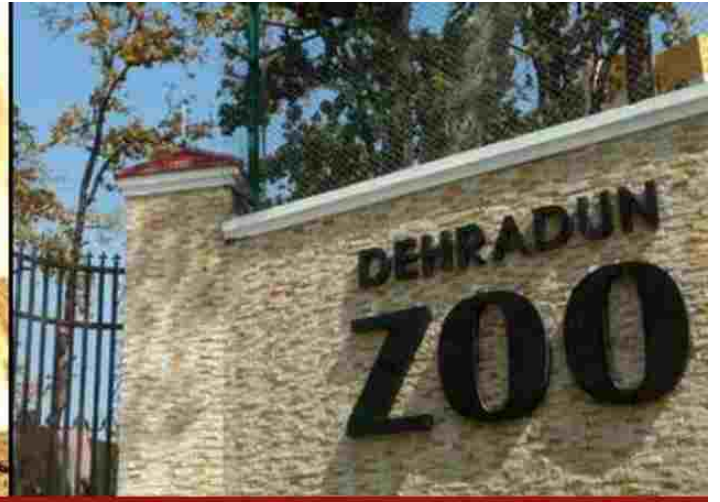
## दून जू में शुरू होगी टाइगर सफारी

### चर्चा मे क्यों?

23 मई, 2023 को उत्तराखण्ड के देहरादून चड़ियाघर के वन कषेत्राधिकारी मोहन सहि रावत ने बताया किराज्य के वशिव प्रसदिध जमि कारबेट और राजाजी टाइगर रजिर्व की तरज पर शीघर ही देहरादून जू में भी टाइगर सफारी शुरू हो जाएगी ।

### प्रमुख बदि

- यहाँ टाइगर सफारी के लयि ट्रैक तैयार हो चुका है, जबकि 11 बाड़ों (इनक्लोजर) बनाने का काम अंतमि चरण में है । बाड़ों का काम पूरा होते ही नैनीताल जू से बाघों के एक जोड़े को यहाँ शफिट कर दयि जाएगा । इसके बाद सैलानी जू कषेत्र के कुल 25 हेक्टेयर हसिसे का दीदार कर सकेंगे ।
- वदिति है किराभी तक जू की गतविधियिँ मात्र पाँच हेक्टेयर कषेत्रफल में संचालति की जा रही हैं ।
- देहरादून चड़ियाघर में टाइगर सफारी शुरू करने के लयि सेंटरल जू अरथारटि (सीजेडए) की टीम भी दौरा कर चुकी है । बाड़ों का काम पूरा होते ही एक बार फरि सीजेडए की टीम मौका मुआयना करने के बाद अनुमति प्रदान करेगी ।
- टाइगर सफारी के लयि तैयार इस ट्रैक में जप्सि के बजाए इलेक्ट्रिकि वाहनों से सैलानयिँ को घुमाया जाएगा, ताकि वाहनों के शोर और प्रदूषण से बचा जा सके ।
- ज्ञातव्य है किरा इस चड़ियाघर की शुरूआत वर्ष 1976 में वन चेतना केंद्र के रूप में की गई थी । मालसी गाँव में होने और हरिन की संख्या अधकि होने के कारण बाद में इसका नाम मालसी डयिर पार्क पड़ गया । मार्च 2012 में इसे मनी जू में तब्दील कर दयि गया । अब यहाँ टाइगर सफारी शुरू होने के बाद जू को नई पहचान मलिने जा रही है ।
- दून चड़ियाघर में एक माह में गुलदार के दो शावकों को चड़ियापुर रेस्क्यू सेंटर से यहाँ लाया जाएगा । इसके अलावा दो भालू (सलोथ और ब्लैक बीयर प्रजाति), दो लोमड़ी, दो हाइना (लकड़बगघा) को भी जू में लाया जाएगा ।
- गौरतलब है किरावर्तमान में जू में एक मादा गुलदार, 23 प्रकार की प्रजातयिँ की चड़िया, 23 प्रकार के वन्यजीव, साँपों की दस प्रजातयिँ, मगरमच्छ, घड़ियाल जैसे जीव मौजूद हैं । इसके अलावा मछलयिँ के लयि एक्वेरियम तैयार कयि गया है ।
- देहरादून जू हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है । बीते वर्ष 2022 में चड़ियाघर में सात लाख 65 हजार पर्यटक आए । यहाँ प्रतदिनि 12 से 15 सौ पर्यटक पहुँचते हैं, जबकि रिवविर को पर्यटकों की संख्या चार से पाँच हजार तक पहुँच जाती है । चड़ियाघर को करीब तीन करोड़ 35 लाख रुपए की कमाई हुई । इसी पैसे से वन्यजीवों की देखभाल, खाना और अन्य खर्च कयि जाते हैं ।
- जू में माँसाहारी वन्यजीवों को मंगलवार के दिनि उपवास रखा जाता है । इस दिनि उन्हें कसिँ प्रकार का भोजन नहीं दयि जाता है । ऐसा उनके संतुलति आहार के मद्देनजर कयि जाता है ।



# अब देहरादून जू में भी शुरू होगी टाइगर सफारी

//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tiger-safari-will-start-in-doon-zoo>

